बुद्धिमान तेनालीराम

9

(हास्य कथा)

बहुत समय पहले की बात है। हमारे देश के *दक्षिणी* भाग में विजय नगर नामक एक राज्य था।

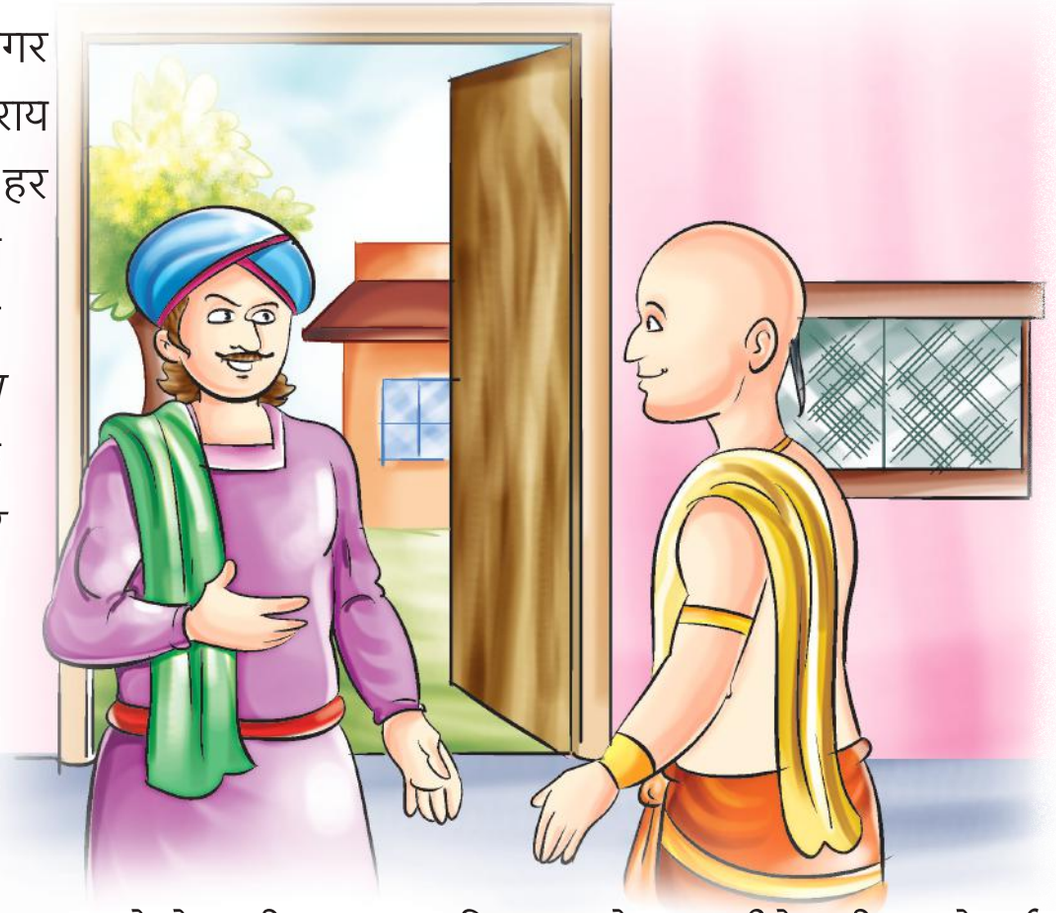

उन दिनों विजय नगर के राजा कृष्णदेव राय थे। वे अपनी प्रजा के हर सुख-दुख का ध्यान रखते थे। प्रजा भी उनका बहुत *सम्मान* करती थी। उनके *दरबार* में एक *चतुर* व्यक्ति थे। उनका नाम तेनालीराम था। वे बहुत बुद्धिमान और हाजिर-जवाब थे, इसलिए राजा; तेनालीराम को बहुत पंसद करते थे। यही कारण था कि बहुत से *दरबारी* तेनालीराम से *ईर्ष्या* करते थे। वे अलग-अलग तरीके से तेनालीराम को नीचा दिखाने की कोशिश करते थे।

एक बार एक दरबारी ने तेनालीराम को अपने घर पर भोजन का *निमंत्रण दिया*। तेनालीराम उस दरबारी के यहाँ *निश्चित* समय पर पहुँच गए। वहाँ कुछ अन्य दरबारी भी आए हुए थे।

सभी लोग भोजन करने बैठे। भोजन करने के *पश्चात्* उस दरबारी ने *खरबूजे* मँगवाए। सभी दरबारी *खरबूजे* खाने बैठे। तब उस दरबारी ने तेनालीराम का *अपमान* करना चाहा। उसने जितने भी *खरबूजे* खाए उनके छिलके तेनालीराम के आगे रख दिए। जब सारे *खरबूजे* खत्म हो गए

तब उस दरबारी ने कहा– "देखा मित्रों, तेनालीराम कितने *भुक्खड़* हैं। इनके सामने *खरबूजे* के ढेर सारे छिलके पड़े हैं। इससे मालूम होता है कि हम सब से अधिक *खरबूजे* तो तेनालीराम ने ही खाए हैं।"

दरबारी की बात सुनकर तेनालीराम मुस्कुराने लगे और दरबारी से तुरंत बोले–"माफ़ कीजिएगा, मुझसे अधिक भुक्खड़ तो आप और आपके मित्र हैं। मैंने तो *खरबूजे* के केवल गूदे ही खाए हैं और छिलके फेंक दिए हैं। परंतु आप और आपके मित्रों के सामने तो एक भी छिलका नहीं है। ऐसा लगता है कि आप लोगों ने *खरबूजे* के गूदे के साथ-साथ छिलके भी खा लिए हैं।" दरबारी के पास फिर कुछ बोलने के लिए नहीं था। वह कुछ न बोल सका।

शब्द-भंडार

दक्षिणी – दक्षिण का *(southern)*,

सम्मान – आदर *(respect)*,

दरबार – राजा की सभा *(king's court)*,

चतुर – होशियार *(clever)*,

दरबारी – दरबार में काम करने वाला *(courtier)*,

ईर्ष्या – जलन *(jealous)*,

निमंत्रण देना – बुलावा देना *(to invite)*,

निश्चित – तय *(decided)*,

पश्चात् – बाद में *(later)*,

खरबूजा – एक फल *(melon)*,

अपमान – बेइज्जती *(insult)*,

भुक्खड़ – बहुत अधिक भूखा *(hungry)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

दक्षिणी	कृष्णदेव	बुद्धिमान	हाजिर-जवाब	ईर्ष्या
निमंत्रण	निश्चित	पश्चात्	खत्म	भुक्खड़

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) तेनालीराम कौन था?

(ख) विजय नगर के राजा कौन थे?

(ग) दरबारी तेनालीराम से ईर्ष्या क्यों करते थे?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) कृष्णदेव राय कहाँ के राजा थे?

☐ विजय नगर ☐ यमुना नगर ☐ तेज नगर

(ख) तेनालीराम कैसे व्यक्ति थे?

☐ मूर्ख ☐ बुद्धिमान ☐ भुलक्कड़

(ग) दरबारी ने तेनालीराम को कहाँ पर बुलाया?

☐ घर में ☐ दरबार में ☐ सड़क पर

(घ) दरबारी ने तेनालीराम के आगे रख दिए–

☐ खरबूजे ☐ तरबूज ☐ छिलके

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

बुद्धिमान, अपमान, बात, चतुर, छिलके, तेनालीराम, हाजिर जवाब

(क) दरबारी ने तेनालीराम का ..... करना चाहा।

(ख) तेनालीराम बहुत ..... और ..... थे।

(ग) इनके सामने खरबूजे के सारे ..... पड़े हैं।

(घ) ..... निश्चित समय पहुँच गए।

(ङ) तेनालीराम राजा कृष्णदेव राय के दरबार के एक ..... व्यक्ति थे।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) दरबारी ने खरबूजे के छिलके तेनालीराम के आगे क्यों रख दिए?

(ख) दरबारी ने तेनालीराम का अपमान क्यों करना चाहा?

(ग) दरबारी ने जब तेनालीराम को 'भुक्खड़' कहा, तब उन्होंने दरबारी से क्या कहा?

भाषा-ज्ञान

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

जैसे- वह, वे, यह, उसका, इनका, उनका आदि।

1. सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

	सर्वनाम
(क) प्रजा भी उनका बहुत सम्मान करती थी।	उनका
(ख) वे बहुत बुद्धिमान और हाजिर-जवाब थे।	
(ग) मैंने तो खरबूजे के केवल गूदे ही खाए हैं।	
(घ) हम सबसे अधिक खरबूजे तेनालीराम ने ही खाए हैं।	

2. विलोम शब्दों को रेखा खींचकर मिलाइए–

देश	दुख	राजा	पराया
सुख	विदेश	अपना	रंक
निश्चित	अनेक	खत्म	पीछे
एक	अनिश्चित	आगे	शुरू

3. समान अर्थवाले शब्दों के नीचे रेखा खींचिए–

(क) अधिक – बहुत कम थोड़ा

(ख) मित्र – शत्रु दोस्त भाई

(ग) माफ – क्षमा सजा दंड

(घ) सम्मान – समान सामना आदर

4. पढ़िए और समझिए–

(क) दरबार में काम करने वाला - दरबारी

(ख) राज करने वाला - राजा

(ग) ईर्ष्या करने वाला - ईर्ष्यालु

(घ) जिसके पास बुद्धिमान हो - बुद्धिमान

5. पढ़िए और निम्न शब्दों को सही स्थान पर लिखिए–

भुक्खड़, अन्य, सम्मान, न्याय, ध्यान, चम्मच, धन्य, मक्खन, अम्मा, मध्य, मक्खी, अध्यापक

क्ख	म्म	ध्य	न्य
भुक्खड़	अम्मा	मध्य	न्याय
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

क्रियात्मक गतिविधि

- इस वर्ग-पहेली में से पाँच फलों के नाम ढूँढकर लिखिए–

के	ला		
ख	से	ब	जा
प	पी	ता	आ
सं	त	रा	म
अं	गू	र	द

....

....